

ओएसएस-

स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम (बीपीपी)

सत्रीय कार्य

2013

(जनवरी और जुलाई सत्र)

सामाजिक विज्ञान में प्रारंभिक पाठ्यक्रम
(ओएसएस 101)



सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विभवविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

पाठ्यक्रम कोड : बोपीपी
कार्यक्रम कोड : ओएसएस-101
सत्रीय कार्य कोड : ओएसएस-101 / सत्रीय कार्य / टीएमए / 2013

अधिकतम अंक : 100

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको सामाजिक विज्ञान में प्रारंभिक पाठ्यक्रम (ओ एस एस-101) हेतु एक सत्रीय कार्य करना होगा। सत्रीय कार्य दो भागों में विभाजित है। पहले भाग के (50 अंक) हैं और इस भाग के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दें। सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। दूसरे भाग के (50 अंक) हैं और इस भाग में बहुचयन प्रश्न सम्मिलित हैं।

सत्रीय कार्य संबंधी प्रश्नों को करने से पहले कृपया ओ एस एस-101 पाठ्यक्रम सामग्री ध्यानपूर्वक पढ़ें।

जमा कराने की तारीख

पूरे किए गए सत्रीय कार्य को निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार जमा कराएं।

अनुसूची

प्रवेशी चक्र	जमा करने की तारीख	किसे भेजें
जनवरी 2013 सत्र के विद्यार्थी	31 मार्च, 2013	आपके अध्ययन केंद्र का संयोजक
जुलाई 2013 सत्र के विद्यार्थी	30 सितम्बर, 2013	(उपर्युक्त के अलावा, किसी भी अन्य व्यक्ति को अपना सत्रीय कार्य न भेजें)

भाग 1

अधिकतम अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। भाग ख का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

1. 'मूलभूत अधिकार' क्या हैं? भारत के संविधान में अनिवार्य माने जाने वाले छह मूलभूत अधिकारों को लिखिए 10
2. 'भारत छोड़ो आंदोलन' पर नोट लिखिए। 10
3. निम्नलिखित संकल्पनाओं को स्पष्ट कीजिए। 10
 - i. स्त्री/पुरुष (लिंग) अनुपात
 - ii. सतत् विकास
4. भारत में प्रभावी अभिशासन के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौतियाँ क्या हैं? 10
5. क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों को स्पष्ट कीजिए। 10

भाग 2

अधिकतम अंक : 50

नोट :

- I. इस भाग में 25 प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- II. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर हैं, इनमें से सिर्फ एक ही सही है। सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. ऐसे तीन चरण कौन से हैं जिनसे मानव समाज गुजरा है?
 - (1) पूंजीवादी – औद्योगिक – उपभोक्ता
 - (2) कृषीय – गैर-औद्योगिक – औद्योगिक
 - (3) शिकार करना एवं भोजन एकत्र करना – कृषीय – औद्योगिक
 - (4) औद्योगिक-उत्तर-औद्योगिक-बलात्
2. कुछ देशों का अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर हावी होना एवं उनका शोषण करना, कहलाता है:
 - (1) उपनिवेशवाद
 - (2) वैभव
 - (3) एकीकरण
 - (4) विभेदन
3. भारतीय कला के तुलनात्मक दर्शनशास्त्र की प्रस्तुति पहली बार किसने की?
 - (1) बी.के. सरकार
 - (2) ए. कुमारस्वामी
 - (3) पी.एन. मजूमदार
 - (4) बी.एन. सील
4. अंग्रेजी शासन को पहली बार किस वर्ष में पहला बड़ा झटका लगा जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में भारतीय सिपाहियों ने विद्रोह का बिगुल बजाया?
 - (1) 1852
 - (2) 1855
 - (3) 1857
 - (4) 1860

5. भारत में, आपातकालीन स्थिति की उद्घोषणा करते हैं:
- (1) राष्ट्रपति
 - (2) उप-राष्ट्रपति
 - (3) प्रधान मंत्री
 - (4) गवर्नर
6. 15-59 वर्ष की आयु समूह के आर्थिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों से अभिप्राय है:
- (1) कामगार
 - (2) श्रम बल
 - (3) श्रम बल से बाहर
 - (4) दर्शनशास्त्री
7. भावी पीढ़ी की अपनी निजी आवश्यकताओं को पूरा करने की योग्यता से बिना कोई समझौता किए, वर्तमान की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता कहलाती है:
- (1) समष्टि क्षमता
 - (2) सतत् विकास
 - (3) पर्यावरणीय क्षमता
 - (4) पर्यावरणीय विकास
8. लोगों के स्वैच्छिक संघ एवं ऐसे संघ जो निर्धन एवं सुविधावांचितों के मामलों की पैरवी करते हैं, गठित करते हैं:
- (1) नागरिक समाज
 - (2) जाति समूह
 - (3) वर्ग समूह
 - (4) कुलीन समाज
9. ग्राम पंचायत के सदस्य कैसे चुने जाते हैं?
- (1) गाँव के बड़े-बुजुर्ग
 - (2) निर्वाचन की प्रक्रिया
 - (3) ईश्वर की कृपा
 - (4) नामांकन की प्रक्रिया
10. सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू द्वारा गठित दल है:
- (1) स्वराज दल
 - (2) हिंद स्वराज दल
 - (3) इंडियन नेशनल आर्मी

- (4) बहुजन समाज दल
11. 'जीवन प्राथिकता' की दृष्टि से किसने वर्ग की संकल्पना को स्पष्ट किया?
- (1) मैक्स वेबर
 - (2) कार्ल मार्क्स
 - (3) आस्कर लेविस
 - (4) एमिल दुर्खाइम
12. पारिस्थितिक तंत्र द्वारा समर्थित जीव संख्या, उसकी कहलाती है:
- (1) वहन क्षमता
 - (2) जन्म दर
 - (3) धारणी क्षमता
 - (4) उत्पादन फलन
13. सार्वजनिक क्षेत्र से आया है :
- (1) सरकारी स्वामित्व वाले उद्योग
 - (2) व्यक्ति-विषेशों के स्वामित्व वाले उद्योग
 - (3) गैर सरकारी संगठनों के स्वामित्व वाले उद्योग
 - (4) अंतरराष्ट्रीय निकायों के स्वामित्व वाले उद्योग
14. निम्नलिखित में कौन से उत्पादन के तीन बुनियादी कारक हैं?
- (1) ग्राम, छोटे शहर एवं बड़े शहर
 - (2) पृथ्वी, वायु एवं जल
 - (3) वृक्ष, पहाड़ एवं नदियाँ
 - (4) भू श्रम एवं पूंजी
15. आँकड़ा संग्रहण की सर्वेक्षण विधि तब सर्वाधिक कारगर नज़र आती है जब यह कार्य :
- (1) समष्टि में बृहद्, विविध एवं प्रकीर्ण समूहों में किया जाता है
 - (2) समष्टि में सजातीय समूह में किया जाता है
 - (3) लघु सुसमन्वित समुदाय में किया जाता है
 - (4) समान क्षेत्र के कुछ परिवारों में किया जाता है
16. क्रिस्टोफर कोलम्बस ने क्या खोजा
- (1) ग्रेट ब्रिटेन
 - (2) आस्ट्रेलिया
 - (3) अमेरिका
 - (4) जर्मनी

17. भारत में रोलेट अधिनियम (1919) का मुख्य उद्देश्य था
- (1) राष्ट्रवादी आंदोलन में जन सहभागिता को सुगम बनाना
 - (2) राष्ट्रीय आंदोलन से जन सहभागिता को हटाना
 - (3) भारत एवं अन्य देशों के आपसी व्यापार को सुगम बनाना
 - (4) भारत एवं अन्य देशों के आपसी व्यापार को रोकना
18. कौन से भारतीय राष्ट्रवादी नेता की 1928 में पुलिस लाठी चार्ज के कारण मृत्यु हो गई?
- (1) चंद्र शेखर आजाद
 - (2) लाला लाजपत राय
 - (3) मोतीलाल नेहरू
 - (4) सी आर दास
19. भारत के संविधान का कौन सा अनुच्छेद अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है :
- (1) अनुच्छेद 17
 - (2) अनुच्छेद 16
 - (3) अनुच्छेद 15
 - (4) अनुच्छेद 14
20. क्षत्रिय शासी वर्ग किसके गठन के लिए एकजुट हुए :
- (1) राज्यसंघ
 - (2) लोकसंघ
 - (3) गणसभा
 - (4) गणसंघ
21. अन्य राज्यों/क्षेत्रों की प्रभावशाली प्रगति की तुलना में कुछ राज्यों/क्षेत्रों में विकास का अभाव कहलाता है :
- (1) क्षेत्रीय संतुलन
 - (2) क्षेत्रीय असंतुलन
 - (3) क्षेत्रीयवाद
 - (4) विभेदन
22. व्यक्ति की सिर्फ खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने में पर्याप्त आय का स्तर कहलाता है :
- (1) समृद्धि रेखा
 - (2) एकीकरण रेखा
 - (3) निर्धनता रेखा
 - (4) खाद्य रेखा

23. भारतीय सरकार की उदारवादी आर्थिक नीति से किस क्षेत्र से बहुत से प्रतिबंध हटा दिए गए :
- (1) उद्योग एवं विदेशी व्यापार
 - (2) बागबानी
 - (3) मनोरंजन
 - (4) आप्रवासन
24. पंचवर्षीय योजनाओं के रूप में आर्थिक नियोजन की शुरुआत का वर्ष है :
- (1) 1950
 - (2) 1951
 - (3) 1960
 - (4) 1961
25. वे वक्तव्य जो जनता को सरकारी या सार्वजनिक एजेंसियों द्वारा प्रदत्त विविध सेवाओं की सूचना देते हैं, कहलाते हैं :
- (1) नागरिक चार्टर
 - (2) सूचना का अधिकार
 - (3) सार्वजनिक वक्तव्य
 - (4) सार्वजनिक चार्टर